International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Volume 02, No. 01, January - March, 2020, pp.201-203

छात्र असंतोष के कारण : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन

अखिलेश कुमार*
कपिला यादव**

सार

किसी भी इकाई की सफलता के लिये शांति सर्वोपरि है। वर्तमान अध्ययन में मुख्य रूप से जालोर जिले में उच्च शिक्षा स्तर पर छात्रों में अशांति एवं उसके कारणों का पता लगाने की कोशिश की है। अध्ययन के लिये 70 छात्रो का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति का उपयोग करके किया गया। तथ्य संग्रह के लिये वर्णनात्मक सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया। अध्ययन में यह पाया गया है कि छात्र असंतोष के प्रमुख कारण, आर्थिक, शैक्षणिक, सामाजिक एवं राजनैतिक थे।

मुख्य शब्दः *छात्र, असंतोष, छात्र असंतोष।*

प्रस्तावना

किसी भी राष्ट्र के युवा उस राष्ट्र के विकास और निर्माण की आधारशिला होते है। भूत एवं भविष्य बनाने की जिम्मेदारी युवा पीढी के कंधो पर टिकी हुई है। ये केवल युवा ही जो भूत एवं भविष्य बना सकते है। छात्रो ने वैदिक युग से लेकर वर्तमान उतर–आधुनिक समाज तक राष्ट्र पुननिर्माण एवं राष्ट्रीय एकीकरण में सराहनीय भूमिका निभायी है। लेकिन वर्तमान समाज में हजारो–लाखो युवको में असंतोष एवं आक्रोश पाया जाता है। वे सामाजिक मानदण्डो के खिलाफ व्यवहार करके अपना असंतोष व्यक्त कर रहे है, जो आने वाले समाज के लिये हानिकारक है। इस प्रकार छात्र असंतोष न केवल शैक्षणिक प्रशासनिक अधिकारियों के लिये चिंता का विषय है बल्कि यह एक राष्ट्रीय चिंता का विषय बन गया है। भूतपूर्व केन्द्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. वी.के. आर. वी. राव का कहना है कि ''छात्र अनुशासन हीनता न हो तो युवा विक्षोभ का प्रदर्शन मात्र ही है और न ही इसकी व्याख्या निहित स्वार्थो वाले बाहरी तत्वों (जो विद्यार्थी अशांति का लाभ उठाने के लिये प्रयत्नशील है, जाहे वे राजनैतिक हो या गैर राजनैतिक) के कार्यो द्वारा की जा सकती है, छात्र अनुशासनहीनता एक सांस्कृतिक, आर्थिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक समस्या है। यदि हम इनके उपचार के उचित उपाय करना चाहते है तो इनका वस्तुनिष्ठ एवं वैज्ञानिक रीति से अध्ययन करना होगा। किसी भी रोग का निवारण उसके बाहरी लक्षणों का उपचार करने या शक्ति द्वारा दमन करने से नही होगा।''

ए. एस. पटेल (2012) में अपनी पुस्तक ''पोवर्टी प्रोग्रेस एण्ड डेवलपमेन्ट'' में कहा है कि ''गरीबी ही छात्र अशांति का कारण है।''

एस. एन. सरकार (1985) ने बताया कि ''महाविद्यालय का दुषित वातावरण प्रशासनिक अक्षमता, खराब आर्थिक दशा और राजनैतिक पार्टियों का छात्र–संघ के चुनाव में हस्तक्षेप छात्र असंतोष के प्रमुख कारण है।''

---

* सहायक आचार्य (समाजशास्त्र) जी.के. गोवाणी राजकीय महाविद्यालय, भीनमाल, जालोर, राजस्थान।
** शोधार्थी, समाजशास्त्र विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान।

छात्र असंतोष की अवधारणा

भारत में छात्र असंतोष एक आम सामाजिक प्रघटना है। छात्र असंतोष में छात्र क्या है ? असंतोष क्या है ? सामाजिक असंतोष कया है ? एवं छात्र असंतोष क्या है ? को समझाना होगा।

छात्र

छात्र एक शिक्षार्थी है जो किसी शिक्षण संस्था में नामांकित है। छात्र तीन साल से चालीस साल या उससे उपर की आयु वाला व्यक्ति हो सकता है, परन्तु यहा छात्र से हमारा तात्पर्य उस शिक्षा पाने वाले व्यक्ति से है जो अनुशासकीय कार्य करने वाले या अशांति या अव्यवस्था उत्पन्न करने के योग्य है। ऐसे व्यक्ति अधिकतर लगभग 15 से 25 वर्ष की आयु – समूह वाले होते है।

असंतोष

असंतोष का अर्थ है – 'अशांत स्थिति' अर्थात मौजूदा व्यवस्था से असंतुष्ट होना। यह मोहभंग और नाराजगी की स्थिति है।

सामाजिक असंतोष

सामाजिक असंतोष एक गुट, समुदाय या समाज के सामूहिक मोहभंग, नाराजगी और कुण्ठा की अभिव्यक्ति है। इसमें किसी व्यक्ति विशेष के असंतोष का शामिल नही किया जाता है।

छात्र असंतोष

छात्र असंतोष से तात्पर्य है कि जब किसी विश्वविद्यालय या महाविद्यालय में छात्र प्रवेशों, पाठ्यक्रमों, परीक्षा प्रणाली और शैक्षणिक समितियों में प्रतिनिधित्व आदि जैसे मामलो में कुण्ठित होते है और जिसकी अभिव्यक्ति वे सामूहिक रूप से हिंसात्मक एवं अहिंसात्मक आन्दोलनों के रूप में करते है।

अध्ययन का उद्देश्य

- उच्च शिक्षा में छात्र असंतोष के कारणों का अध्ययन करना

अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन पद्वति

प्रस्तुत अध्ययन राजस्थान के जालोर जिले के राजकीय महाविद्यालय भीनमाल का है। अध्ययन के लिये 70 विद्यार्थियों का चयन उद्देश्यपूर्ण निदर्शन पद्धति द्वारा किया गया है। अध्ययन के लिये वर्णनात्मक अनुसंधान प्रारूप का प्रयोग किया गया है। तथ्य संग्रह के लिये साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया है।

छात्र असंतोष के कारण

वर्तमान समाज में बदलते जीवन के सामाजिक मूल्य, सत्ता के लिये पागल दौड़, सामाजिक – नैतिक जिम्मेदारियों की कमी, नेताओं के बीच स्वार्थी अवसरवाद आदि ने छात्र समुदाय को प्रभावित किया है।

महाविद्यालय स्तर पर छात्रों में असंतोष के कई कारण है। अध्ययनकर्ता ने छात्रों में अशांति के प्रमुख कारणों का पता लगानें की कोशिश की है। जिसका विवरण तालिका में दर्शाया गया है।

तालिका 1: महाविद्यालय में छात्र असंतोष के कारण

छात्र असंतोष के कारण	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
आर्थिक	26	37.14
शैक्षणिक	17	24.29
सामाजिक	15	21.43
राजनैतिक	12	17.14
कुल	**70**	**100**

उपर्युक्त तालिका के विश्लेषण करने के आधार पर ज्ञात होता है कि उत्तरदाताओं ने सर्वाधिक 37.14 प्रतिशत आर्थिक कारण को छात्र असंतोष के लिए उत्तरदायी माना है। आर्थिक कारणों में परिवार की आर्थिक स्थिति, विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा शुल्क बढाना, समय पर छात्रवृति का न मिलना आदि को जिम्मेदार माना है। 24.29 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने शैक्षणिक कारणों को छात्र असंतोष के लिए उत्तरदायी माना है। शैक्षणिक कारणों में महाविद्यालय में शिक्षकों की कमी, महाविद्यालय में सुविधाओं की कमी, विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा के नियमों में किया जाने वाला परिवर्तन (वार्षिक से सेमेस्टर प्रणाली फिर सेमेस्टर से वार्षिक प्रणाली) आदि को जिम्मेदार माना है। 21.43 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने सामाजिक कारणों को छात्र असंतोष के लिए उत्तरदायी माना है। सामाजिक कारणों में समाज में पश्चिमीकरण एवं उतर–आधुनिकता के परिणाम स्वरूप आये सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन जिससे पुराने और नवीन सामाजिक मूल्य टकरा रहे हैं, जाति–भेदभाव, आरक्षण व्यवस्था, समाज में बदलता सामाजिक पर्यावरण, साम्प्रदायिकता, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार जिससे छात्रों को भविष्य के प्रति चिंता आदि कारणों को जिम्मेदार माना है। 17.14 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने राजनैतिक कारणों को छात्र असंतोष के लिए उत्तरदायी माना है। राजनैतिक कारणों में छात्र–संघ चुनाव जिसके परिणाम स्वरूप महाविद्यालय में छात्रों में आपसी टकराव, वैमन्सय की भावना, राजनैतिक दलों एवं व्यक्तियों का छात्र–संघ चुनाव के माध्यम से महाविद्यालय में प्रवेश आदि कारण जिम्मेदार है।

अतः स्पष्ट है कि महाविद्यालय में छात्र असंतोष के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारण आर्थिक कारण है।

निष्कर्ष

यह अध्ययन छात्रों में विद्यमान छात्र असंतोष के वर्तमान परिदृश्य का विश्लेषण करता है। वर्तमान में छात्र असंतोष एक सामाजिक समस्या के रूप में है। छात्र असंतोष के लिए आर्थिक सामाजिक राजनैतिक एवं शैक्षणिक कारण महत्वपूर्ण है। छात्रों की अशांति की समस्या मुख्य रूप से शिक्षा की समस्या है। इसलिए इसका समाधान भी केवल अकादमिक दृष्टि से ही किया जाना चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

⇒ आहूजा, राम, 2006. ''सामाजिक समस्याएं'' रावत पब्लिकेशन जयपुर।

⇒ Choudhary, Kavita 2018. ''Student Unrest – Causes and Cure." Intentional Journal of Advance Research in Science and Engineering. 07 (04): 755-762.

⇒ Khaleduzzaman, M. 2014. ''Student Unrest in Higher Education Level in Bangladesh a Study of Dhaka and Rajshahi University." IOSR Journal of Research & Method in Education. 4(2): 06-16.

⇒ Merton,R.K. 1957. ''Social Theory and Social Structure.'' Free Press, New York.

⇒ Okeyo, Washington 2017. ''Student Unrest in Public Universities in Kenya: The Nexus between Principles of Governance and Student Leadership." European scientific journal. 13(31).

⇒ Sarkar, S.N. 1985. ''Student Unrest in Bihar" PH.D. Thesis, Ranchi University. Page 56.

⇒ Singh, B 2013. ''A Study of Student Unrest among Graduate Students in Relation to their Gender, Intelligence, Adjustment and Educational Stream" International Journal Education Psychological Research. 2(1): 40-46.

⇒ Singh, Vivek 2017. ''A Case Study of Student Unrest in Himachal Pradesh University" International Journal of Education and Applied Social Science. 8(1): 129 – 135.

❖◆❖